कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (33) खण्ड -{65}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- सतयुग में गोल्डन जुबली कितने वर्ष मनाते हैं ?

A- 64 वर्ष

B- 21 वर्ष

C- 1250 वर्ष

D- 8 वर्ष

प्रश्न 2- बापदादा को किन बच्चों की सदा तलाश रहती है ?

A- मीठे

B- शीतल

C- सर्विसएबुल

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- चतुर्भज में जो अलंकार दिखाते है उनमें क्या है ?

A- ज्ञान का शंख

B- ज्ञान का चक्र

C- ज्ञान की गदा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- कमल फूल समान गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए तुम्हारी बुद्धि में क्या है ?

A- ज्ञान

B- सेवा

C- बाबा

D- मुरली

प्रश्न 5- जीव में रहने वाली आत्मा क्यों बुलाती है ?

A- क्योकि पतित है

B- क्योंकि आत्मा ही दुःखी है।

C- क्योंकि कलियुग है।

D- विकारों के कारण

प्रश्न 6- अब इस संगम पर कितने पितायें हैं ?

A- एक

B- दो

C- तीन

D- चार

प्रश्न 7- आज के विश्व में कौनसी सत्ता नहीं है ?

A- धर्म सत्ता

B- राज्य सत्ता

C- विज्ञान की सत्ता

D- श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता

प्रश्न 8-समय को क्या कहते हैं।

A- टाइम इज़ गोल्ड

B- टाइम इज़ डायमंड

C- टाइम इज़ मनी

D- टाइम इज़ सिल्वर

प्रश्न 9- मनमनाभव का क्या अर्थ है।

A-अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो।

B- मन को बाबा से लगाओ।

C- मन ही मन बाबा को याद करो।

D- बाप को याद करो।

प्रश्न 10- बच्चों की अवस्था चलते-चलते डांवाडोल क्यों हो जाती है ?

A- माया के तूफान के कारण

B- विकारों के कारण

C- रावण के कारण

D- निश्यबुद्धि ना होने के कारण

प्रश्न 11- बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं बच्चे इन गुरूओं का भी मुझे उद्धार करना है, किसके द्वारा होना है ?

A- कन्याओं

B- माताओं

C- जगत अंबा

D- कुमारों

प्रश्न 12- सत्य को सिद्ध नही करो लकिन क्या बन जाओ तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे ?

A- विश्वासपात्र

B- ब्राह्मण

C- पवित्र

D- सिद्धि स्वरूप

प्रश्न 13- रात का सांई कौन है ?

A- शिव बाबा

B- ब्रह्मा बाबा

C- माया

D- रावण

प्रश्न 14- सवेरे उठ बाप को याद करो जो अन्त में क्या याद न पड़े ?

A- देह

B- देहधारी

C- गुरू

D- ब्रह्मा बाप

प्रश्न 15- मीठे बच्चे - इस शरीर का भान भूलते जाओ, अशरीरी बनने की मेहनत करो, क्योंकि अब..... चलना है" ?

A- शान्तिधाम

B- सुखधाम

C- घर

D- मधुबन

प्रश्न 16- ड्रामा में होगा तो पुरुषार्थ कर लेंगे, ऐसा सोचकर क्या नहीं बनना है ?

A- अलबेला

B- पुरुषार्थ-हीन

C- कमजोर

D- तीव्र पुरूषार्थी

भाग (33) खण्ड {65} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.1250 वर्ष*

सतयुग, त्रेता में बेहद का वर्सा है। गोल्डन, सिल्वर जुबली मनाते हैं। यहाँ तो एक दिन मनाते हैं। हम तो 1250 वर्ष गोल्डन जुबली मनाते हैं। खुशियाँ मनाते हैं ना। मालामाल बन जाते हैं।

उत्तर 2- *D.उपरोक्त सभी*

जो बहुत-बहुत मीठे शीतल स्वभाव वाले सर्विसएबुल बच्चे हैं। ऐसे बच्चों की बाप को तलाश रहती है। सर्विसएबुल बच्चे ही बाप का नाम बाला करेंगे।

उत्तर 3 - *D.उपरोक्त सभी*

चतुर्भुज में जो अलंकार दिखाते हैं, उसमें भी ज्ञान का शंख है। ज्ञान का चक्र, ज्ञान की गदा है। सब ज्ञान की बातें हैं।

उत्तर 4 - *A.ज्ञान*

समझाया भी जाता है, गृहस्थ व्यवहार में कमल फूल समान रहो तो कमल फूल भी देते हैं। अभी तुम प्रैक्टिकल एक्ट में हो। *कमल फूल समान गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए तुम्हारी बुद्धि में ज्ञान है।*

उत्तर 5- *B.क्योंकि आत्मा ही दु:खी है*

गीता में कोई-कोई बात ठीक, राइट है। वैसे गीतों में भी है। अब प्रीतम अक्षर तो ठीक कहा है परन्तु जियरा बुलावे, जियरा (शरीर) तो बुलाते नहीं। *जीव में रहने वाली आत्मा बुलाती है क्योंकि आत्मा ही दु:खी है।* पतित आत्मा कहा जाता है ना। आत्मा में ही खाद पड़ती है।

उत्तर 6- *C.तीन*

तुमने तीन पिताओं को अब समझा है और कोई दुनिया में नहीं जानते। सतयुग में भी पारलौकिक बाप को नहीं जानते। वहाँ उनको एक पिता होता है। *अब इस संगम पर तुम्हारे 3 पितायें हैं।* तीनों ही पितायें संगम पर ही हो सकते हैं। फिर कभी हो न सकें।

उत्तर 7- *D.श्रेष्ठ कर्मो की सत्ता*

आज के विश्व में विशेष तीन शक्तिया हैं - एक धर्म सत्ता, दूसरी राज्य सत्ता, तीसरी विज्ञान की सत्ता। लेकिन आप ब्राह्मण आत्माओं में चार सत्तायें हैं। पहली तीन सत्तायें तो हैं ही, साथ-साथ *चौथी सत्ता है - श्रेष्ठ कर्मों की सत्ता। आज के विश्व में इस चौथी सत्ता की कमी है,* इसको ही कहा जाता है श्रेष्ठ चरित्र की सत्ता।

उत्तर 8- *C.टाइम इज़ मनी*

हद के विज्ञानी सूर्य तक नहीं पहुंच सके और बेहद के विज्ञानी चन्द्रमा सूर्य से भी पार मन और बुद्धि की साधना द्वारा कितने समय में पहुँचते हो? और कितना खर्चा लगता है? *समय को कहते हैं टाइम इज़ मनी।* स्थूल मनी तो नहीं लगती लेकिन टाइम की मनी भी नहीं लगती। तो कितना बड़ा विज्ञान है।

उत्तर 9- *A.अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो*

बाप कहते हैं मामेकम् याद करो। दुनिया में तो एक दो को दु:खी करते रहते हैं। यहाँ हम एक बात कान में सुनाते हैं। है बहुत इजी। *अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। मनमनाभव का अर्थ ही यह है।* बाकी तो सब है डिटेल।

उत्तर 10- *D.निश्चयबुद्धि ना होने के कारण*

कई बच्चों की अवस्था चलते-चलते डांवाडोल हो जाती ह क्योंकि पक्का निश्चय नहीं है। जब निश्चय में कमी आती है

तब पारे की तरह अवस्था नीचे ऊपर डांवाडोल होती है। कभी बहुत खुशी रहती, कभी खुशी कम हो जाती। *पूरा निश्चय बुद्धि न होने से ही अवस्था डांवाडोल होती है।*

उत्तर 11- *B.माताओं*

बाप बैठ बच्चों को समझाते हैं बच्चे *इन गुरूओं का भी मुझे उद्धार करना है, तुम माताओं द्वारा।* तुम माता गुरू बिगर कोई का भी उद्धार नहीं होना है। माता को ही निमित्त रखा जाता है। जगत अम्बा मुख्य है ना। उनका देखो कितना प्रभाव है।

उत्तर 12- *D.सिद्धि स्वरूप*

दिल और दिमाग की ऑनेस्टी है तो उसके ऊपर बाप का, परिवार का स्वत: ही दिल से प्यार और विश्वास होता है। विश्वास के कारण फुल अधिकार उसको दे देते हैं। वे स्वत: ही सबके स्नेही बन जाते हैं इसलिए सत्यता की हिम्मत से विश्वासपात्र बनो। *सत्य को सिद्ध नहीं करो लेकिन सिद्धि स्वरूप बन जाओ तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे।*

उत्तर 13- *D.रावण*

बच्चों के लिए कौन आया? कहते हैं सुबह का सांई क्योंकि वह रात को सुबह बनाने वाला है। *रात का सांई है रावण।* यह अच्छी तरह नोट करो तब बुद्धि में बैठेगा। बुद्धि में यह फर्क है ना। सतोप्रधान, सतो, रजो, तमो बुद्धि होती है।

उत्तर 14- *A.देह*

बाबा हर बात बहुत अच्छी रीति समझाते हैं। कल्प पहले भी ऐसे ही समझाया था, भूलो मत। सिमरण करते-करते अन्त मती सो गति हो जायेगी। *सवेरे उठ बाप को याद करो जो अन्त में देह भी याद न पड़े।* हम आत्मा हैं।

उत्तर 15- *C.घर*

मीठे बच्चे - *इस शरीर का भान भूलते जाओ, अशरीरी बनने की मेहनत करो, क्योंकि अब घर चलना है*।परमपिता परमात्मा कहते हैं मैं आत्माओं से बात करता हूँ। आत्माओं

को ले जाना है। इस शरीर के भान को भूलते जाओ, इसमें ही मेहनत है।

उत्तर 16- *B.पुरुषार्थ-हीन*

ड्रामा अनुसार एक्ट चलती है तो हम पुरुषार्थ क्या करें, ऐसा समझने वाले भी हैं। परन्तु नहीं, पुरुषार्थ तो करना है ना। बाप आये ही हैं पुरुषार्थ कराने। *ड्रामा में होगा तो पुरुषार्थ कर लेंगे, ऐसा सोचकर पुरुषार्थ-हीन नहीं बनना है।* साक्षी हो दूसरों के पुरुषार्थ को देखते तीव्र पुरुषार्थी बनना है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (33) खण्ड -{66}

प्रश्न 1- "सब संग तोड़ मुझ एक बाप से योग लगाओ तो तुम मेरी..... मे आ जायेंगे, अन्त मते सो गति हो जायेगी" ?

A- राजधानी

B- पुरी

C- राज्य

D- घर

प्रश्न 2- धर्म ग्लानि का क्या अर्थ है ?

A- विकारों में जाना

B- अपने धर्म को ऊँच मानना

C- देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म कहना

D- खुद को देवता कहलवाना

प्रश्न 3- ..... रूपी बड़े डाकू से बचने के लिए अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझो ?

A- काम

B- क्रोध

C- लोभ

D- देह-आभिमान

प्रश्न 4- किस आत्मा को बाप की मदद भी स्वतः मिलती है ?

A- ज्ञानी

B- योगी

C- कर्मयोगी

D- सहयोगी

प्रश्न 5- सारे कल्प में सबसे रॉयल आप श्रेष्ठ आत्माएं ही हो। किस रूप में ?

A- अनादि स्वरूप में

B- आदि स्वरूप मे

C- पूज्य रूप में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- सिर्फ किन आत्माओं की श्रेष्ठ कीर्ति अर्थात् श्रेष्ठ पवित्रता का ही कीर्तन होता है ?

A- पूज्य

B- देव

C- ब्राह्मण

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- मन से भरपूर आत्मा सदा यही गीत गाती रहेगी.....

A- अल्फ और बे।

B- सब पा लिया, प्राप्त हो गया।

C- बाबा ही मेरा संसार है।

D- एक बाप दूसरा न कोई

प्रश्न 8- रॉयल आत्माओं को किसकी देवी कहा जाता है ?

A- पवित्रता

B- सभ्यता

C- रियल्टी

D- श्रेष्ठता की देवी

प्रश्न 9- "मीठे बच्चे - अभी तुम बाप की नज़र से निहाल होते हो, निहाल होना अर्थात्.....

A- पवित्र बनना

B- स्वर्ग का मालिक बनना"

C- बाबा के नयनों में समाना

D- शक्तिशाली बनना

प्रश्न 10- बाप की नज़र में बच्चे, बच्चों की नज़र में कौन है।

A- स्वर्ग की बादशाही

B- बाप

C- शान्तिधाम

D- सुखधाम

प्रश्न 11- डेड साइलेन्स का अनुभव कैसे कर सकते हैं ?

A- निराकारी बनने से

B- आत्म अभिमानी बनने से

C- अशरीरी बनने से

D- निर्विकारी बनने से

प्रश्न 12- बापदादा समान क्या बनना है ?

A- शुद्ध अहंकारी

B- निष्काम सेवाधारी

C- पतित पावन

D- निरंहकारी

प्रश्न 13- बापदादा किन बच्चों की बलिहारी का गायन करते हैं ?

A- माताओं की

B- कन्याओं की

C- बांधेली बच्चियों की

D- महारथियों की

प्रश्न 14- मुरली में भी रोज़ क्या समझाया जाता है ?

A- बाप को याद करो

B- अल्फ और बे

C- पवित्र बनो

D- योगी बनो

प्रश्न 15- कौन बाप को इतना याद नहीं करता हैं ?

A- महारथी

B- कुमारी

C- पाण्डव

D- बंधन-मुक्त

प्रश्न 16=- शिव की पूजा करते हैं। परन्तु जानते कुछ भी नहीं। ..... पर भी बड़ा लिंग बना रखा है। इतना बड़ा बाप का रूप है क्या ?

A- केदारनाथ

B- सोमनाथ

C- महाकाल

D- अमरनाथ

भाग (33) खण्ड {66} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.पुरी*

अब वही गीता का एपीसोड रिपीट हो रहा है। मौत है सामने इसलिये *सभी संग तोड़ मुझ एक परमात्मा से योग लगाओ तो अन्त मते सो गते होगी, तुम मेरी पुरी में आ जाओगे।* परमात्मा इस तन में बैठ अपने बच्चों आत्माओं को कहता है मीठे बच्चे, मैं अपने अनादि प्रोग्राम प्रमाण आया हूँ।

उत्तर 2- *C.देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म कहना*

जब जब अति धर्म ग्लानि होती है तब मैं आता हूँ, देवता धर्म का एकदम नाम निशान गुम हो जाता है, देवता धर्म वाले अपने को हिन्दू कहलाने लग पड़ते हैं। भल पूजते देवताओं को हैं लेकिन कहलाते अपने को हिन्दू हैं, *जैसे देवता धर्म के बदले हिन्दू धर्म रिप्लेस हो जाता है, इसको कहते हैं धर्म ग्लानि।*

उत्तर 3- *D.देह-अभिमान*

अब बाप इस मेहनत से छूटने की युक्ति बताते - बच्चे सिर्फ मुझे याद करो। मेरे से ही सच्ची सगाई करो, इस बेहद

की सगाई में ही मज़ा है। *देह-अभिमान रूपी बड़े डाकू से बचने के लिए अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझो।*

उत्तर 4- *C.कर्मयोगी*

बापदादा कहते हैं कि कर्म अलग नहीं, कर्म और योग दोनों साथ-साथ हैं। ऐसा कर्मयोगी कैसा भी कर्म होगा उसमें सहज सफलता प्राप्त कर लेगा। चाहे स्थूल कर्म करते हो, चाहे अलौकिक करते हो। लेकिन कर्म के साथ योग है ऐसे *कर्मयोगी आत्मा को बाप की मदद भी स्वत: मिलती है।*

उत्तर 5- *D. उपरोक्त सभी*

सारे कल्प में सबसे रॉयल आप श्रेष्ठ आत्माएं ही हो। अनादि आत्मिक स्वरूप में भी सबसे श्रेष्ठ रॉयल आत्मायें हो और आदि स्वरूप देव आत्माओं के रूप में भी रॉयल राज्य अधिकारी रॉयल फैमिली हो। पूज्य रूप में भी आप देव आत्माओं की कितनी रॉयल्टी से पूजा होती रहती है और किसी भी अन्य धर्म आत्मा वा राजनीतिक आत्माओं की ऐसी रॉयल पूजा नहीं होती। *तो तीनों रूपों में - अनादि, आदि

और पूज्य स्वरूप ऐसे रॉयल और कोई भी नहीं हैं क्योंकि आप आत्माओं की प्योरिटी की ही रॉयल्टी है।*

उत्तर 6- *B. देव*

यह प्योरिटी की ही विशेषता है इसलिए सिर्फ देव आत्माओं के आगे ही यह महिमा गाते हैं कि आप सम्पूर्ण निर्विकारी हो, और किसी भी धर्म आत्माओं की महिमा में ऐसी महिमा नहीं गाई जाती है। *सिर्फ देव आत्माओं के श्रेष्ठ कीर्ति अर्थात् श्रेष्ठ पवित्रता का ही कीर्तन होता है।*

उत्तर 7- *B. सब पा लिया प्राप्त हो गया*

जो मन से भरपूर रहता है उसके पास स्थूल वस्तु या साधन नहीं भी हो फिर भी मन भरपूर होने के कारण वो कभी अपने में कमी महसूस नहीं करेगा। ना में भी हाँ का अनुभव करेगा। *मन से भरपूर आत्मा सदा यही गीत गाती रहेगी सब पा लिया, प्राप्त हो गया,* ये होना चाहिए, ये करना चाहिए, ये चाहिए चाहिए भी रॉयल मांगने के संस्कार

हैं। बेहद की सेवा प्रति सोचना कि ये होना चाहिए, ये करना चाहिए, वह अलग बात है।

उत्तर 8- *B. सभ्यता*

रॉयल आत्मा का चेहरा और चलन दोनों ही सत्यता की सभ्यता अनुभव करायेंगे। वैसे भी रॉयल आत्माओं को सभ्यता की देवी कहा जाता है। उनका बोलना, देखना, चलना, खाना-पीना, उठना-बैठना, हर कर्म में सभ्यता सत्यता स्वत: ही दिखाई देगी। ऐसे नहीं कि मैं तो सत्य को सिद्ध कर रहा हूँ और सभ्यता हो ही नहीं।

उत्तर 9- *B. स्वर्ग का मालिक बनना*

अब नज़र से निहाल का अर्थ तो तुम ब्राह्मणों के सिवाए कोई समझ नहीं सकते। बरोबर दो अक्षर सुन रहे हो। *मुझे निरन्तर याद करो तो तुम निहाल हो जायेंगे अर्थात् स्वर्ग के मालिक बन जायेंगे।* बरोबर सेकेण्ड में नज़र से निहाल कर मुक्ति और जीवनमुक्ति दे देते हैं। वह है निराकार परमपिता परमात्मा।

उत्तर 10- *B. बाप*

नज़र के सामने अब तुम बैठे हो। *बाप की नज़र में बच्चे, बच्चों की नज़र में बाप है। बच्चे निहाल होते हैं बाप की नज़र से।* बाप से ही वर्सा मिलता है। तुम हो बेहद के बच्चे। तुम नज़र के सामने बैठे हो।

उत्तर 11- *C.अशरीरी बनने से*

अशरीरी बनने का अभ्यास करो। एक बाप के सिवाए दूसरा कोई भी याद न आये। शरीर से जैसे मरे हुए हैं। इसी अभ्यास से आत्मा डेड साइलेन्स की अनुभूति कर सकती है।

उत्तर 12- *D.निरंहकारी*

बाप तो निराकारी, निरंहकारी गाया हुआ है। ऊंच ते ऊंच भगवान और फिर उनका यह रथ। कई बच्चे कहते हैं - हम शिवबाबा के रथ के लिए कपड़ा भेज देते हैं। रथ की तो हम खातिरी कर सकते हैं ना। शिवबाबा तो खाते नहीं हैं।

किसकी खातिरी करें! इनकी ड्रेस तो वही चली आ रही है। कोई अंहकार नहीं, कोई चेंज नहीं।

उत्तर 13- *C. बांधेली बच्चियों की*

बाबा कहते बलिहारी उन बांधेली बच्चियों (अबलाओं) की है जो मार खाते भी शिवबाबा को याद करती हैं। मार खाने से और ही नष्टोमोहा बनती जाती, जिस कारण उनका पद और ही ऊंचा हो जाता है।

उत्तर 14- *A. बाप को याद करो*

कोई कहते हैं बाबा हमको मुरली भी पढ़ने नहीं देते हैं। *अरे तुम बाप को याद करती रहो। मुरली में भी रोज़ यही समझाया जाता है।* मूल बात है याद का चार्ट रखो। हम बाबा को कितना समय याद करते हैं।

उत्तर 15- *D. बंधन मुक्त*

जो छूटे हुए बंधन-मुक्त हैं, वह भी इतना याद नहीं करते हैं जितना बांधेलियाँ याद करती हैं। शिवबाबा की याद से ही बेड़ा पार होता है।

उत्तर 16- *D. अमरनाथ*

शिव की पूजा करते हैं। परन्तु जानते कुछ भी नहीं। *अमरनाथ पर भी बड़ा लिंग बना रखा है* इतना बड़ा बाप का रूप है क्या? कुछ भी पता नहीं है। अब तुम बच्चे इन सब बातों को यथार्थ समझ गये हो।